OBG-Speculum

Events :

Departmental Activities & Events

मासिक धर्म सामान्य चक्र स्वच्छता अपरिहार्य

Menstrual Hygiene awareness Day; 28th May

Breastfeeding week 01-07 August

एक दिवसीय सीएमई एवं कार्यशाला का AIIMS गोरखपुर में हुआ आयोजन

CME and Workshop on "Perineum and Childbirth"; 28.01.2023

CME on World Menopause day ; 28.10.2022

Workshop on World Blood Donor Day ; 14.06.2022

Academic activities and Awards

CME ON STILLBIRTH 10.12.2023

CME Gynae Endoscopy 07.11.2023

लैप्रोस्कोपिक शिक्षा पर कार्यशाला

नंदानगर (एसएनबी)। एम्स स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग व गोरखपुर आब्स एवं गाइनी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को महिलाओं की लैप्रोस्कोपिक सतत् चिकित्सा शिक्षा पर कार्यशाला का

आयोजन किया गया। कार्यशाला में जोधपुर के प्रसिद्ध लैप्रोस्कोपिक सर्जन डा. शशांक शेखर व अहमदाबाद के चिकित्सक डा. एएमसी पटेल ने हिस्सा लेते हुए नवीनतम जानकारी साझा की।

उद्घाटन करते हुए कार्यकारी निदेशक प्रो. सुरेखा किशोर ने कहा कि इस कार्यशाला ने महिला रोग विशेषज्ञों से गाइनो लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सीखने का अवसर प्रदान किया है। स्वस्थ परिवार की संरचना में महिला का स्वस्थ रहना अहम् कड़ी है। जोधपुर के प्रसिद्ध लैप्रोस्कोपिक सर्जन डा. शशांक शेखर ने कार्यशाला में शामिल होते हुए लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टमी के मूल चरण (स्टेप) व लैप्रोस्कोपी की नवीनतम जानकारी साझा की।

इसी क्रम में अहमदाबाद के डा. एएमसी पटेल ने मेडिकोलेगल सम्भावनाओं के बारे में चर्चा की। कार्यशाला में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शिखा सेठ के अलावा शहर की जानीमानी गाइनो रोग विशेषज्ञ डा. रूमा सरकार, डा. सविता अग्रवाल, डा. रीना श्रीवास्तव, डा. अमृता जयपुरियार, डा. अरुणा छापड़िया, डा. आराधना सिंह व एम्स की डा. विभारानी पीपल, डा. प्रीति प्रियदर्शनी, डा. प्रीती बाला सिंह, डा. सृष्टि जायसवाल, डा. प्रियंका सिसोदिया ने भाग लिया।

World Menopause Day 18.10.2023

बीपी ज्यादा, पेट में बच्चे की गति कम तो पहुंच जाएं अस्पताल

- एम्स के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में जन्म से पहले बच्चों की मृत्यु के कारणों पर हुई सीएमई
- मातृ शिशु मृत्यु दर शून्य करने के लिए जागरूकता अभियान करना चाहिए और तेज: प्रो.सुरेखा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गर्भावस्था में ब्लड प्रेशर (बीपी) ज्यादा और बच्चे की गति कम हो रही हो तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। तत्काल अस्पताल पहुंचकर जांच करानी चाहिए। गर्भावस्था में बढ़ी बीपी खतरनाक होती है।

यह कहना है पीजीआइ चंडीगढ़ में स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम अग्रवाल का। वह रविवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। जन्म से पहले बच्चों की मृत्यु का कारण और इससे बचने के उपाय विषय पर एम्स में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. नीलम अग्रवाल ने कहा कि उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, गर्भावस्था के दौरान रक्तस्राव, जन्मजात विकृति, समय से पहले जन्म और अन्य कारणों से

एम्स गोरखपुर में आयोजित सीएमई में मौजूद डॉक्टर • सौजन्य एम्स

गर्भ में बच्चे की मृत्यु हो सकती है।

सीएमई का उद्घाटन एम्स गोरखपुर की कार्यकारी निदेशक प्रो. सुरेखा किशोर ने किया। उन्होंने कहा कि मातृ-शिशु मृत्यु दर को शून्य करने के लिए डाक्टरों को जागरूकता कार्यक्रम चलाना होगा। गर्भावस्था की जानकारी होते ही डाक्टर के संपर्क में आ जाना चाहिए। भारतीय शिशु मृतजन्म संस्था (एसबीएसआइ) हैदराबाद की उपाध्यक्ष डा. नुजहत अजीज ने प्रसव के दौरान होने वाले शिशु मृत्यु के निदान एवं उपचार पर प्रकाश डाला। एसबीएसआइ की सचिव व अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डा. तमकीन खान ने कहा कि मृत बच्चे के जन्म के बाद महिला की देखभाल में बहुत संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। लेडी हार्डिंग नई दिल्ली की डा. मनीषा कुमार ने उच्च रक्तचाप से संबंधित कारणों और निदान के बारे में बताया। एसजीपीजीआइ लखनऊ की डा.सौम्या श्रीवास्तव ने मृत शिशु के शव का परीक्षण (फीटल आटोप्सी) के बारे में जानकारी दी।

एम्स की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डा.शिखा सेठ के नेतृत्व में आयोजित सीएमई की अध्यक्षता डा. आराधना सिंह ने की। डा.विभा रानी पीपल, डा.सृष्टि जायसवाल, डा.प्रियंका सिसोदिया की भागीदारी रही। डा.नीता राय शर्मा, डा.रूमा सरकार, डा.सविता अग्रवाल, डा.रीना श्रीवास्तव, डा. राधा जीना, डा.अरुणा छापड़िया, डा.प्रीति प्रियदर्शिनी मौजूद रहीं।

Cervical Cancer Awareness Month January 2024